
आदर्श प्रश्न- पत्र - 4
संकलित परीक्षा - I
विषय - हिंदी 'अ'
कक्षा - नवमी

निर्धारित समय: 3 घण्टे

अधिकतम अंक: 90

निर्देश:

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं -
खंड क- 20 अंक
खंड ख- 15 अंक
खंड ग - 35 अंक
खंड घ - 20 अंक
 2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
-

खंड-क

(अपठित गद्यांश)

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नों के उत्तर के विकल्प छाँटकर लिखिए -

भारत आने वाले यात्री भारत की दौलत के बारे में कितनी ही कहानियाँ और अपने-अपने देश में जाकर सुनाते थे । इटली के एक यात्री ने भारत से लौटकर अपने देश वालों को बताया की भारत की बनी मलमल मकड़ी के जाले की तरह बारीक होती है और मसाले इतने गजब के होते हैं कि एक बार चढ़ने पर किसी बादशाह की भी तबियत उन्हें बार-बार चखने की होती है । कितने ही देशों के व्यापारी भारत आना चाहते थे, लेकिन जमीन के रास्ते भारत आना मुश्किल और खर्चीला मामला था । वे मन में सोचते थे कि काश ! हम समुद्र के रास्ते जहाज से भारत पहुँच सकते । इसके लिए बहुतों ने कोशिश की, पर नाकामयाब रहे । तब क्रिस्टोफर कोलंबस नाम का एक यात्री तीन जहाज लेकर भारत की तलाश में निकला, पर इस तलाश में उसने अमेरिका नाम का एक नया महाद्वीप ही खोज निकला ।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनिए ।

(क) भारत आए इटैलियन यात्री ने अपने देश के लोगों से किन भारतीय वस्तुओं की तारीफ की?

- (i) मसाला
- (ii) मलमल
- (iii) उपर्युक्त दोनों
- (iv) मिट्टी और पानी

(ख) अनेक विदेशियों की भारत आने की इच्छा थी परंतु वह नहीं आ सके क्योंकि

- (i) भारत आने का जमीनी मार्ग मुश्किल और खर्चीला था
- (ii) भारत आने का समुद्री मार्ग खतरनाक था
- (iii) किसी में भारतीय लोगों का सामना करने की क्षमता नहीं थी
- (iv) भारतीय वातावरण उनके अनुकूल नहीं था

(ग) भारत की तलाश का प्रयास सर्वप्रथम किसने किया?

-
- (i) अमेरिगो वेस्पेस्सी ने
 - (ii) क्रिस्टोफर कोलंबस ने
 - (iii) एक जर्मन व्यापारी ने
 - (iv) अमेरिकी ईस्ट इंडिया कंपनी ने

(घ) क्रिस्टोफर कोलंबस ने निम्नलिखित में किस दीप का पता लगाया था?

- (i) भारतीय उपमहाद्वीप
- (ii) ऑस्ट्रेलिया
- (iii) न्यूजीलैंड
- (iv) अमेरिका

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक क्या होगा?

- (i) महाद्वीप की खोज
- (ii) भारतीय महाद्वीप की खोज
- (iii) भारत की खोज
- (iv) भारत का अतीत

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प छाँटकर खिए-

रामकृष्ण परमहंस का जन्म बंगाल में हुआ था। यह ज्यादा विद्वान तो नहीं थे, पर बड़े समझदार थे। वे बचपन से ही बहुत पवित्र विचारों के थे। जैसे-जैसे वह बड़े हुए, वैसे-वैसे समझने लगे कि ईश्वर हर वक्त उनके पास। रामकृष्ण परमहंस कोलकाता के एक छोटे से मंदिर में पुजारी और विवेकानंद के गुरु भी थे। बड़ा ही सादा जीवन बिताते थे। वे सभी जातियों तथा धर्मों के लोगों की इज्जत करते थे। कई बार तो वह अछूतों के साथ खाना भी खाते थे। उनका विश्वास था कि सभी धर्म एक ही सत्य की शिक्षा देते हैं। भारत के प्राचीन ऋषियों की तरह वह भी कहा करते थे कि, “ ईश्वर एक है, केवल विद्वान लोग उसका नाम अलग-अलग रख देते हैं। ” वह जाति के ब्राह्मण थे, लेकिन समय-समय पर मुसलमान और ईसाई की तरह भी रहे थे। इन धर्मों की बातें भी वह अच्छी तरह समझते थे। उनका जीवन अच्छा और उनकी बातें भी इतनी अच्छी थी कि वह संत माने जाने लगे।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनिए।

(क) रामकृष्ण परमहंस कौन थे?

- (i) कोलकाता के एक छोटे से मंदिर के पुजारी
- (ii) विवेकानंद के गुरु
- (iii) उपर्युक्त दोनों
- (iv) समाजसेवी चिकित्सक

(ख) रामकृष्ण परमहंस को संत क्यों माना जाने लगा?

- (i) क्योंकि उनका जीवन तथा बातें बहुत अच्छी थी
- (ii) क्योंकि वह पुजारी थे
- (iii) क्योंकि उन्होंने अपना घर छोड़ दिया था
- (iv) क्योंकि वह तांत्रिक थे

(ग) रामकृष्ण परमहंस अन्य ऋषियों की तरह क्या कहा करते थे?

- (i) सबका मालिक मैं हूँ
-

- (ii) ईश्वर एक है
- (iii) सब कुछ नश्वर है
- (iv) प्रत्येक जीव अमर है

(घ) दूसरे धर्मों के प्रति रामकृष्ण परमहंस का क्या विचार था?

- (i) सभी धर्म अपनी बड़ाई करते हैं
- (ii) सभी धर्मों का लक्ष्य एक नहीं है
- (iii) सभी धर्म में पूजा अनिवार्य है
- (iv) सभी धर्म एक ही हैं जो सत्य की शिक्षा देते हैं

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक क्या होगा?

- (i) सनातन धर्म
- (ii) धर्म का मूल
- (iii) रामकृष्ण परमहंस
- (iv) भारतीय संस्कृति के वाहक संत

3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नों के उत्तरों में से सही विकल्प छांटकर लिखिए।

कुछ भी बन बस कायर मत बन |
ठोकर मार, पटक मत माथा
तेरी राह रोकते पाहन |
कुछ भी बन, बस कायर मत बन |
ले-देकर जीना, क्या जीना ?
कब तक गम के आंसू पीना ?
मानवता ने सींचा तुझको
बहा युगो तक खून पसीना!
कुछ नहीं करेगा ? किया करेगा-
रे मनुष्य! बस कातर क्रंदन ?
कुछ भी बन बस कायर मत बन!
'युद्ध देहि, कहे जब पामर
दे न दुहाई पीठ फेर कर!
या तो जीत प्रीति के बल पर,
या तेरा पथ चूमें तस्कर |
प्रतिहिंसा भीदुर्बलता है,
पर कायरता अधिक अपावन
कुछ भी बन, बस कायर मत बन |

उपर्युक्त काव्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनें।

(क) कविकिसे ठोकर मारने की बात कहता है?

- (i) पहाड़ों को
- (ii) बाधाओं को
- (iii) कायरता को

(iv) दुश्मनों को

(ख) कवि किस प्रकार के जीवन को जीवन नहीं मानता?

(i) समझौते की जिंदगी

(ii) जहां मानवता नहीं है

(iii) शांत जीवन

(iv) घृणाकेपूर्ण जीवन

(ग) 'कुछ न करेगा ?किया करेगा-रे मनुष्य बस कातर क्रंदन' पंक्ति में कौन-सा भाव प्रमुख है?

(i) निष्क्रियता पर व्यंग्य करने का

(ii) उलाहना देने का

(iii) कर्म के लिए प्रेरित करने का

(iv) चुनौतिया लालकारने का

(घ) कवि ने प्रतिहिंसा को दुर्बलता क्यों कहा?

(i) बदले की भावना उसे लक्ष्य तक पहुंचाती है

(ii) प्रतिहिंसा ना हो तो आगे आना असंभव है

(iii) कमजोर व्यक्ति बदले की भावना रखता है जबकि सक्षम आगे बढ़ता है

(iv) मुकाबले के लिए प्रतिहिंसा जरूरी है

(ङ) 'युद्ध देहि' कहे जब पामर, दे न दुहाई पीठ फेर कर! - का क्या तात्पर्य है?

(i) युद्ध को प्रेम बल पर जीतना चाहिये

(ii) युद्ध पीठ फेर कर प्रीति के बल पर जीतना चाहिए

(iii) शत्रुयुद्ध करता है तो पीठ न फेर कर मुकाबला करना चाहिए

(iv) संघर्ष ही जीवन है अपने पथ पर आगे बढ़ते जाओ

4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नों के उत्तरों में से सही विकल्प छांटकर लिखिए।

देशप्रेम केओ मतवालों उनको भूल ना जाना

महाप्रलय की अग्नि लेकर जो इस जग में आए,

विश्वबली शासन के भय जिनके आगे मुरझाए,

चले गए जो चीज चढ़ाकर, अर्घ्य लिए प्राणों का,

चले मजारों पर हम उनके आज दीप जलाएँ।

जीत गए हम जीता विद्रोही अभिमान हमारा,

प्राण-दान विक्षुब्ध तरंगों को मिल गया किनारा ।

उदित हुआ रवि स्वतंत्रता का व्योम उगलता जीवन

आजादी की आग अमर है घोषित करता कण-कण ।

झंझा, तूफानों ने जिस दृढ़ता का लोहा माना,

देश-प्रेम के ओ मतवालों ! उनको भूल ना जाना ।

उपर्युक्त काव्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनें ।

(क) काव्यांश का उचित शीर्षक क्या है?

(i) भूल ना जाना

(ii) स्वतंत्रता

-
- (iii) देश के बलिदानी
(iv) महाप्रलय
- (ख) यह कविता किसे संबोधित है?
(i) मतवाले बलिदानियों को
(ii) विद्रोहियों को
(iii) तूफानों को
(iv) अभिमानियों को
- (ग) हमें स्वतंत्रता कैसे प्राप्ति हुई?
(i) विद्रोह के कारण
(ii) बलिदानियों के संघर्ष के कारण
(iii) तूफानों के कारण
(iv) महाप्रलय के कारण
- (घ) कवि ने किस आग को अमर कहा है?
(i) महाप्रलय की आगको
(ii) महंगाई की आगको
(iii) आतंकवाद की आग को
(iv) आजादी की आग को
- (ङ) विश्व की महाशक्ति किस के आगे झुक गई?
(i) आतंकवादियों के आगे
(ii) बलिदानी वीरों के आगे
(iii) बस कातन क्रंदन
(iv) इनमें कोई नहीं

खण्ड - ख

(व्याकरण)

5. निम्नलिखित उपसर्गों से बने दो-दो शब्द लिखें ।
(क) अन् ।
(ख) सु ।
(ग) भर ।
(घ) सर ।
6. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कीजिए ।
(क) हर रोज
(ख) आचार-विचार
(ग) दुरात्मा
(घ) अष्टाध्यायी
7. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पद का परिचय दीजिए ।
(क) वाक्य के कितने अंग होते हैं?
(ख) संदेहवाचक वाक्य कौन-से हैं?
-

(ग) निषेधवाचक वाक्य किसे कहते हैं?

8. निम्नलिखित पंक्तियों में निहित अलंकार स्पष्ट करें।

(क) रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून

(ख) भाषा, भाव, भेष भोजन में भारतीयता का अभिमान है।

(ग) नीलगगन-सा शांत हृदय था सो रहा।

(घ) उषा उदास आती है। मुख पीला ले जाती है।

खण्ड - ग

(पाठ्य-पुस्तक)

9. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

मुझे नहीं लगता, कोई इस सोए हुए पक्षी को जगाना चाहेगा। वर्षा पूर्व, खुद सालिम अली ने कहा था कि लोग पक्षियों को आदमी की नजर से देखना चाहते हैं। यह उनकी भूल है, ठीक उसी तरह, जैसे जंगलों और पहाड़ों, झरनों और आबशारों को वो प्रकृति की नजर से नहीं, आदमी की नजर से देखने को उत्सुक रहते हैं। भला कोई आदमी अपने कानों से पक्षियों की आवाज का मधुर संगीत सुनकर अपने भीतर रोमांच का सोता फूटता महसूस कर सकता है?

(क) गद्यांश में सोए हुए पक्षी किसके लिए प्रयुक्त हुआ है? सालिम अली ने क्या कहा था?

(ख) सालिम ने लोगों की किस भूल की तरफ आकृष्ट किया है? जंगलों, पहाड़ों, झरनों और आबशारों को वे किस नजर से देखने को उचित मानते हैं?

(ग) 'आबशार' से क्या अभिप्राय है?

10. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए-

(क) कांजीहौस में कैद पशुओं की हाजिरी क्यों ली जाती होगी?

(ख) नेपाल से होकर तिब्बत जाने वाले मार्ग पर जगह-जगह चौकियाँ और किले क्यों बने थे?

(ग) 'सांस्कृतिक अस्मिता' क्या है?

(घ) भागते बैलों को गया क्यों नहीं पकड़ पाया?

(ङ) किस घटना ने सालिम अली के जीवन की दिशा को बदल दिया और उन्हें पक्षी प्रेमी बना दिया?

11. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

क्यों हूँ पड़ी?

वेदना बोझ वाली-सी;

कोकिल बोलो तो !

क्या लुटा?

मृदुल वैभव की

रखवाली-सी,

कोकिल बोलो तो !

क्या हूँ बावली?

अर्द्धरात्रि को चीखी,

कोकिल बोलो तो !

किस दयावानल की

ज्वालाएँ हैं दीखीं?

कोकिल बोलो तो !

(क) 'दावानल' का क्या अभिप्राय है?

(ख) कोयल आधी रात में कूकने के बजाय क्यों हूक उठी?

(ग) कवि ने कोयल को बावली अर्थात्पागल क्यों कहा है?

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर- संक्षेप में लिखिए:

(क) कबीर ने ईश्वर को 'सब स्वाँसों की स्वाँस में' क्यों कहा है?

(ख) "जानी है तो स्वयं को जान" पंक्ति में 'जानी' से कवयित्री का क्या अभिप्राय है?

(ग) सखी ने गोपी से कृष्ण का कैसा रूप धारण करने का आग्रह किया था?

(घ) 'कैदी और कोकिल' कविता में कवि ने हथकड़ियों को गहना क्यों कहा है?

(ङ) 'ग्राम श्री' कविता में वसुधा का रोमांच कैसे प्रकट हो रहा है?

13. 'शिक्षा बच्चों का जन्मसिद्ध अधिकार है' - इस दिशा में लेखिका मृदुला गर्ग के प्रयासों का उल्लेख कीजिए।

खण्ड-घ

('लेखन')

14. दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए -

प्लास्टिक: अनचाही ज़रूरत

संकेत बिंदु:

- प्लास्टिक की उपयोगिता
- प्लास्टिक के नुकसान
- निष्कर्ष

15. पिता जी से रुपये मँगवाने के लिए पत्र लिखिए।

16. आप अपने मत का प्रयोग करने मतदान केंद्र पर गए थे वहाँ के दृश्य पर एक प्रतिवेदन प्रस्तुत कीजिए।
